Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-102

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Jan. – Feb. – 2022

M.A. Darshan, Semester : First
दर्शन : प्रश्न-पत्र : द्वितीय
न्याय-वैशेषिक – प्रथम

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. सोलह पदार्थों का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताये कि आन्विक्षिकी विद्या के तत्त्व ज्ञान से अपवर्ग प्राप्ति कैसे होगी?
2. कणाद ऋषि के मत में षड् पदार्थ द्रव्यादि का यथार्थ ज्ञान निःश्रेयस का साधन कैसे बनता है?
3. प्रत्यक्ष प्रमाण का लक्षण बताते हुए विस्तार से समझायें कि ऋषि ने प्रत्यक्ष के 03 विशेषण क्यों लगाये।
4. सामान्य-विशेष का लक्षण व भेद बताते हुए इस विषय में प्रशस्त पादाचार्य का मन्तव्य भी स्पष्ट करें।
5. संशय किसे कहते है? यह किन-किन परिस्थितियों में उत्पन्न होता है। विस्तार से लिखें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. प्रमेय कितने है? प्रत्येक का नाम लिखकर संक्षिप्त परिचय दें।
7. कणाद ऋषि के मत में धर्म किसे कहते हैं और उसका क्या फल मिलता है।
8. वाद, जल्प, वितण्डा से आप क्या समझते हैं? संक्षेप में वर्णन करें।
9. सत्ता किसे कहते हैं? यह कितने प्रकार की होती है?
10. हेत्वाभास का लक्षण बताते हुए यह भी बतायें कि हेत्वाभास कितने प्रकार के होते हैं?
11. छल किसे कहते हैं? ये कितने प्रकार के होते हैं?
12. वैशेषिक दर्शन में पृथिवी का लक्षण बताते हुए उसके वैधर्म्य विशेष धर्म का भी निरूपण करें।

----------x----------